प्रलोभन का विरोध करने के लिए युक्तियाँ

डग बैचेलर

Copyright © 2013, 2022
by Doug Batchelor

All rights reserved.
Printed in India.

Published by:
Amazing Facts India
Post Box No 51
Banjara Hills, Hyderabad
Telangana, 500034

www.AmazingFactsIndia.org

प्रलोभन का विरोध करने के लिए युक्तियाँ

डग बैचेलर द्वारा।

विषयसूची:

परिचय - मौलिक सत्य 2
#1. इनाम याद रखें 5
#2. पाप की बुराई में विश्वास करें 7
#3. धन-दौलत से प्रेम मत करो 8
#4. भागने के लिए तैयार हो जाओ 9
#5. भीड़ का अनुसरण न करें 11
#6. व्यस्त रहने की योजना बनाएं 12
#7. एक योजना रखें! 14
#8. खुद को जानिए 16
#9. भलाई से बुराई को जीत लो 18
#10. अपने स्वास्थ्य की देखभाल करें 19
#11. अपने निकास को पहचानो 20
#12. गिरने से बचना 22
सारांश - एक में 12 कदम 24

***एक आश्चर्यजनक तथ्यः** वर्जीनिया में एक किशोरी अपने घर के पीछे दो सिर वाला कछुआ देखकर हैरान रह गई। उसने बेचारे प्राणी को पकड़ लिया और देखती रही कि दो अजीबोगरीब सिर उसके द्वारा दिए गए भोजन के एक टुकड़े पर रस्साकशी कर रहे थे - या उसे! वैज्ञानिकों के अनुसार, द्विशीर्ष सभी जानवरों में हो सकते हैं, लेकिन जीवनकाल आमतौर पर छोटा होता है। इसका कारण यह है कि प्रत्येक सिर शरीर के अपने पक्ष को नियंत्रित करते हुए, और इस प्रकार फूट, भ्रम और निराशा पैदा करते हुए दूसरे सिर से स्वतंत्र रूप से काम करता है। जब तक एक सिर प्राथमिक नियंत्रण नहीं ले लेता, प्राणी जल्द ही भूख और अनिर्णय से मर जाएगा।*

परिचय - मौलिक सत्य

संसार में पाप के प्रवेश के बाद से, प्रत्येक मानव हृदय में आत्मा और शरीर के बीच एक युद्ध छिड़ा हुआ है। परमेश्वर की सेवा टहल करने की इच्छा रखने वाला प्रत्येक व्यक्ति इन दो विरोधी स्वामियों के बीच युद्ध का अनुभव करता है। और शैतान हमेशा हमारी शारीरिक और भावनात्मक इच्छाओं का फायदा उठाकर प्रभु के साथ हमारे संबंध को तोड़ता है। “तुम्हारे अधर्म के कामों ने तुम को तुम्हारे परमेश्वर से अलग कर दिया है” (यशायाह 59:2)। बाइबिल आदम और हव्वा को सर्प द्वारा लुभाए जाने के साथ शुरू होती है और दुनिया के पतन के साथ आगे बढ़ती है। जब कि नया नियम यीशु को शैतान के द्वारा लुभाए जाने के साथ शुरू होता है और दुनिया के उद्धार के साथ आगे बढ़ती है। जब वाटिका में उस पहले सूक्ष्म प्रलोभन के बाद

मानवता का पतन हुआ, तो उसने उन शुद्ध प्रेमपूर्ण उद्देश्यों को खो दिया जिसके साथ इसे मूल रूप से बनाया गया था। स्वार्थ ने अपना स्थान ले लिया, और परिणाम विनाशकारी रहा हैः मृत्यु, बीमारी, युद्ध, अपराध, दर्द – सूची बढ़ती जाती है।

परमेश्वर ने हमें पवित्रता के लिए बुलाया है। “परन्तु जैसा तुम्हारा बुलाने वाला पवित्र है, वैसे ही तुम भी अपने सारे चाल चलन में पवित्र बनो। क्योंकि लिखा है, कि पवित्र बनो, क्योंकि मैं पवित्र हूं” (1 पतरस 1:15,16)। लेकिन अलौकिक सहायता के बिना, पुरुष और महिलाएं शारीरिक हृदय की बुरी इच्छाओं और उद्देश्यों का विरोध करने में असमर्थ हैं।

फिर भी परमेश्वर हमें कभी भी ऐसा कुछ करने के लिए नहीं कहेगा जो हम उसकी सहायता के बिना करने में असमर्थ हैं। उसने अपनी विद्रोही सृष्टि को नहीं छोड़ा है, और उसने इसकी पुर्नस्थापना के लिए पूर्ण और सुनिश्चित प्रावधान किया है। उद्धार की उसकी योजना का उद्देश्य आपके और मेरे भीतर मसीह की छवि को पुनःस्थापित करना है, ताकि हम परमेश्वर के पुत्र कहला सकें। “क्योंकि उसके ईश्वरीय सामर्थ ने सब कुछ जो जीवन और भक्ति से सम्बन्ध रखता है, हमें उसी की पहचान के द्वारा दिया है, जिस ने हमें अपनी ही महिमा और सद्गुण के अनुसार बुलाया है। जिन के द्वारा उस ने हमें बहुमूल्य और बहुत ही बड़ी प्रतिज्ञाएं दी हैंः ताकि इन के द्वारा तुम उस सड़ाहट से छूट कर जो संसार में बुरी अभिलाषाओं से होती है, ईश्वरीय स्वभाव के समभागी हो जाओ” (2 पतरस 1:3,4) ।

बहुत से लोग मानते हैं कि परीक्षा में पड़ना पाप है। यह सच नहीं है। बाइबल घोषित करती है, “क्योंकि हमारा ऐसा महायाजक

नहीं, जो हमारी निर्बलताओं में हमारे साथ दुखी न हो सके; वरन वह सब बातों में हमारी नाईं परखा तो गया, तौभी निष्पाप निकला" (इब्रानियों 4:15)। यीशु को जंगल में प्रलोभन दिया गया था, इसलिए प्रलोभित किया जाना संभवतः पाप नहीं हो सकता। बल्कि, प्रलोभन में पड़ जाना पाप है। शेक्सपियर ने लिखा है, "प्रलोभित किया जाना एक बात है, प्रलोभन में पड़ जाना दूसरी बात है।" मसीहियों को शारीरिक प्रकृति को उनके द्वारा किए जाने वाले कार्यों को निर्देशित करने की अनुमति नहीं देनी चाहिए; उन्हें आत्मा को अपना मार्ग निर्देशित करने देना चाहिए, न कि शरीर को।

यदि हम वास्तव में यीशु का अनुसरण करना चाहते हैं, तो हम उन कार्यों और विचारों का विरोध करना चुन सकते हैं जिनके बारे में हम जानते हैं कि उसकी इच्छा के विपरीत हैं। शुक्र है, यीशु के माध्यम से, परमेश्वर ने हमें बुराई का सफलतापूर्वक विरोध करने और विजेता बनने के लिए हमारी जरूरत की हर चीज प्रदान की है। इसलिए हम स्वाभाविक रूप से खुद से पूछ सकते हैं, "चूंकि मैं मसीह का अनुयायी हूं, यीशु ने प्रलोभन का विरोध करने के लिए क्या किया?" एक बात के लिए, उसने बाइबल को उद्धृत किया। उसके वचन का ज्ञान प्रलोभन के खिलाफ पहला और सबसे अच्छा बचाव है। "मैं ने तेरे वचन को अपने हृदय में रख छोड़ा है, कि तेरे विरुद्ध पाप न करूं" (भजन संहिता 119:11)। दूसरा, हमें प्रार्थना करने की जरूरत है! यहाँ तक कि यीशु ने भी प्रलोभन का विरोध करने के लिए प्रार्थना की ओर रुख किया। "जागते और प्रार्थना करते रहो कि तुम परीक्षा में न पड़ो" (मरकुस 14:38)। प्रलोभन से लड़ने के बारे में एक पूरी किताब लिखने के लिए, मैं इन दो बुनियादी बिंदुओं, प्रार्थना और वचन पर आसानी से

व्याख्या कर सकता था। लेकिन इसके बजाय, मैं प्रलोभन का विरोध करने और उस पर काबू पाने के लिए 12 व्यावहारिक कुंजियों को उजागर करने के लिए इन मूलभूत सत्यों को आधार के रूप में उपयोग करना चाहता हूं। मैं आपको बाइबल के कुछ अंश भी देना चाहता हूँ जिनका आप परीक्षा में पड़ने पर, अध्ययन कर सकते हैं, जैसा कि यीशु ने किया था। मुझे विश्वास है कि नियमित और ईमानदार भक्ति के साथ, बाइबिल बचाव का यह बुनियादी साधन या तरीका आपके पथ को और अधिक लगातार जीत के साथ चिह्नित करेगा।

#1 इनाम याद रखें

"जब आप आने वाले दिन पर विश्वास करते हैं तो अंधेरे को सहना आसान हो जाता है।" मुझे यकीन है कि एक कारण यह है कि लोग प्रलोभन से इतनी आसानी से वशीभूत हो जाते हैं कि वे अपने शाश्वत दृष्टिकोण को खो देते हैं। यदि कोई देवदूत अपनी सारी उत्कृष्ट महिमा में अभी आपके सामने प्रकट हो और कहे, "पश्चाताप करो! यीशु जल्द ही आ रहा है," क्या आपके लिए प्रलोभन का प्रतिरोध करना आसान होगा -कम से कम शेष दिन के लिए? जरूर, क्योंकि आपका विश्वास दृढ़ होगा कि आपका इनाम वास्तविक और निकट है।

इब्रानियों 11:24-26 कहता है,"विश्वास ही से मूसा ने सयाना होकर फिरौन की बेटी का पुत्र कहलाने से इन्कार किया। इसलिये कि उसे पाप में थोड़े दिन के सुख भोगने से परमेश्वर के लोगों के साथ दुख भोगना अधिक उत्तम लगा। उसने मसीह के कारण निन्दित होने को

मिस्र के भण्डार से बड़ा धन समझाः क्योंकि उस की आंखे फल पाने की ओर लगी थीं।” मूसा मिस्र पर शासन करने के लिए उत्तराधिकार की पंक्ति में था जब मिस्र अपनी शक्ति और धन के सर्वोच्च शिखर पर था। प्रभाव की वह स्थिति किसी के लिए भी एक भयानक प्रलोभन होगी। परन्तु मूसा ने परमेश्वर के अनन्त प्रतिफल की ओर देखा और वह शैतान के अस्थायी सांसारिक खजाने का विरोध करने में सक्षम रहा।

उस महिमा को न भूलें जिसे परमेश्वर ने आपके लिए रखा है। “परन्तु जैसा लिखा है, कि जो बातें आंख ने नहीं देखी, और कान ने नहीं सुना, और जो बातें मनुष्य के चित्त में नहीं चढ़ीं वे ही हैं, जो परमेश्वर ने अपने प्रेम रखने वालों के लिये तैयार की हैं” (1 कुरिन्थियों 2:9)। यदि आप मानते हैं कि आप वास्तव में बचाए गए हैं,तो प्रलोभन का प्रतिरोध करना बहुत ही आसान है। यदि आप गलती से सोचते हैं कि आप बचाए जाने के लिए अपने तरीके से काम कर सकते हैं, तो आप वास्तव में प्रतिरोध करने की अपनी क्षमता को नष्ट कर देंगे। लेकिन जब आप मानते हैं कि आप बचाए गए हैं, तो परमेश्वर के पुत्र की तरह व्यवहार करना बहुत आसान है।

“क्योंकि मैं समझता हूं, कि इस समय के दुःख और क्लेश उस महिमा के सामने, जो हम पर प्रगट होने वाली है, कुछ भी नहीं हैं” (रोमियो 8:18)। जेलीबीन का प्रतिरोध करना आसान है जब आप जानते हैं कि आप एक दावत के रास्ते पर हैं!

#2 पाप की बुराई में विश्वास करें

आपको यह भी याद रखना चाहिए कि पाप कितना बुरा है - इनाम के साथ या इनाम के बिना। पौलुस कहता है, “आज्ञा के द्वारा पाप बहुत ही पापमय ठहरे” (रोमियों 7:13)। आपको वास्तव में यह जानने की आवश्यकता है कि पाप बहुत भयानक है, और यदि आपको एक अनुस्मारक की आवश्यकता है, तो लगभग 2,000 साल पहले कलवरी वापस जाएं और देखें कि पाप ने यीशु के साथ क्या किया। मसीही होने के नाते, हम पाप को गले नहीं लगा सकते क्योंकि यह बदसूरत, गंदा और घातक है। पाप हमारे प्रिय यीशु की मृत्यु का कारण बना।

बाइबल कहती है,”ऊज देश में अय्यूब नामक एक पुरुष था वह खरा और सीधा था और परमेश्वर का भय मानता और बुराई से दूर रहता था” (अय्यूब 1:1)। हमें परमेश्वर से प्रेम करने की मूल भावना से दूर जाने की आवश्यकता है। अय्यूब की तरह, परमेश्वर से प्रेम करने का एक हिस्सा बुराई से घृणा करना है। परमेश्वर चाहता है कि हम पाप से घृणा करें क्योंकि वह उससे घृणा करता है।”तेरे उपदेशों के कारण मैं समझदार हो जाता हूं, इसलिये मैं सब मिथ्या मार्गों से बैर रखता हूं” (भजन संहिता 119:104)।

जब शैतान पाप को कुछ वांछनीय और आकर्षक के रूप में चित्रित करने का प्रयास करता है तो धोखा न खाएं। वह किसी गंदी और टेढ़ी-मेढ़ी चीज को साफ और हानिरहित बनाने में प्रतिभाशाली है। लेकिन गुमराह मत होइए, क्योंकि वह खूबसूरत तस्वीर आपकी जान ले लेगी। आपको उस स्थान पर आने की आवश्यकता है जहाँ

आप परमेश्वर से इतना प्यार करते हैं कि आप जानबूझकर पाप करने और उसे शोक पहुँचाने के बजाय मरना पसंद करेंगे।

“पाप आपको जितना आप जाना चाहते हैं, उससे कहीं आगे ले जाएगा, जितना आप रहना चाहते हैं उससे अधिक समय तक रखेगा और जितना आप भुगतान करना चाहते हैं उससे अधिक महँगा पड़गा।”

#3 धन-दौलत से प्रेम मत करो

मैं व्यक्तिगत प्रलोभनों की एक लंबी सूची लिख सकता था, लेकिन मैंने विशेष रूप से धन को शामिल करना चुना है क्योंकि गर्व के बाद, यह बड़ा प्रलोभन है। लेकिन मैं जिस धन-दौलत के बारे में लिख रहा हूं वह डॉलर के बारे में इतना नहीं है जितना कि भौतिकवाद और शक्ति के जाल के बारे में है। मेरा मानना है कि ईसाइयों को, जितना हो सके उतना कमाते,बचाते और देते हुए, कड़ी मेहनत करनी चाहिए। फिर भी यह खतरा बना रहता है कि धन-दौलत हमारा ईश्वर बन सकता है।

“पर जो धनी होना चाहते हैं, वे ऐसी परीक्षा, और फंदे और बहुत-सी व्यर्थ और हानिकारक लालसाओं में फंसते हैं, जो मनुष्यों को बिगाड़ देती हैं और विनाश के समुद्र में डूबा देती हैं” (1 तीमुथियुस 6:9)। मैंने लोगों को अपनी बचत को दांव पर लगाने जैसे मूर्खतापूर्ण विकल्प चुनते देखा है, क्योंकि वे जल्दी अमीर बनना चाहते हैं। वे स्लॉट-मशीन लीवर को हिलाते रहते हैं क्योंकि शैतान उन्हें बताता है कि शायद अगर वे सिर्फ एक और चौथाई डॉलर

डालते हैं, तो वे एक बड़ी सफलता प्राप्त करेंगे। यह उल्लेख करने की आवश्यकता नहीं है कि वे पैसे फेंक रहे हैं जबकि इसका उपयोग आत्माओं को बचाने के लिए किया जा सकता है।

"कोई मनुष्य दो स्वामियों की सेवा नहीं कर सकता, क्योंकि या एक से बैर ओर दूसरे से प्रेम रखेगा, वा एक से मिला रहेगा और दूसरे को तुच्छ जानेगा; तुम परमेश्वर और धन दोनो की सेवा नहीं कर सकते" (मत्ती 6:24)। धन-दौलत के लिये आपकी इच्छा और परमेश्वर की सेवा करना असंभव है। धन-दौलत एक शक्ति है, और सभी शक्ति खराब नहीं है। धन-दौलत अच्छा या बुरा करने की शक्ति हो सकता है - एक दोधारी तलवार। हम अपनी कलीसियाओं में प्रार्थना करते हैं कि प्रभु हमारी आवश्यकताओं को आर्थिक रूप से पूर्ण करें, लेकिन हम धन से प्रेम के दास नहीं बनना चाहते। अगर आपका दिल आपके धन के साथ है, तो यह परमेश्वर के साथ नहीं हो सकता। परमेश्वर ने हमें अपने भरे हुए जाल, टैक्स बूथ और संपत्ति से भरे घरों को बिना पीछे देखे छोड़ने के लिए तैयार रहने के लिए कहा है। "लूत की पत्नी को स्मरण रखो" (लूका 17:32)।

#4 भागने के लिए तैयार हो जाओ

जब लोग प्रलोभन से भागते हैं तो गति के कुछ रिकॉर्ड टूटते हैं। आम तौर पर, वे प्रलोभन से दूर रेंगते हैं और उम्मीद करते हैं कि वह उन्हें पकड़ लेगा। कभी-कभी प्रलोभन एक दरवाजे से आता है जिसे हम जानबूझकर खुला छोड़ देते हैं। मान लीजिए कि आपने गलती से अपने पूरे कपड़ों पर मिट्टी का तेल गिरा दिया और आस-पास के

किसी व्यक्ति ने माचिस जला दी। आप कहाँ जाओगे? जितनी दूर हो सके और जितनी जल्दी हो सके! प्रलोभन के प्रति एक मसीही विश्वासी का यही रवैया होना चाहिए। पौलुस ने कहा, "व्यभिचार से बचे रहो" और "मूर्तिपूजा से बचे रहो" (1 कुरिन्थियों 6:18; 10:14)। इसलिए पाप से बचे रहो और एक आगे भेजने का पता मत छोड़ो।

इसे चूकें नहीं: जब आप प्रलोभन से भागते हैं, तो आप परमेश्वर की ओर बढ़ते हैं। "परमेश्वर के निकट आओ, तो वह भी तुम्हारे निकट आएगा" (याकूब 4:8)। जब आप जानते हैं कि कुछ पापपूर्ण है, तो शैतान के साथ न उलझें या मजाक न करें, क्योंकि वह युक्तिकरण का स्वामी है–इस तरह हव्वा गिर गई!

मेरा हृदय टूट जाता है जब मसीही अपने पापों को सही ठहराने की कोशिश करते हैं। उन तर्कों की कोई सीमा नहीं है जिनके साथ शैतान आपको आपूर्ति कर सकता है। जैसे ही आप जानते हैं कि कुछ गलत है, बचे रहो! सबसे बहादुर आदमी प्रलोभन से बचता है; मूर्ख इसके साथ फ्लर्ट (छेड़ छाड़) करता है।

आप तब तक इंतजार नहीं करना चाहते जब तक कि आप इतने बूढ़े न हो जाएं कि युवावस्था की सभी इच्छाएं फीकी पड़ जाएं और आप खुद को यह सोचकर धोखा दें कि आपने जीत हासिल कर ली है। "और भूख बढ़ाने वाला फल फिर काम न देगा; क्योंकि मनुष्य अपने सदा के घर को जाएगा" (सभोपदेशक 12:5)। आपका दिल अभी भी भ्रष्ट हो सकता है। अब बचे रहें, सक्रिय रूप से। आपको अपने आप को परमेश्वर के प्रति समर्पित करना चाहिए, जबकि आप अभी भी अपने जीवन में उसके नवीकरणीय अनुग्रह का अनुभव कर सकते हैं। हमारे जोशीले युवाओं के लिए भी यीशु की शक्ति पर्याप्त

है। याद रखें जब यूसुफ को ललचाया गया, तो वह पोतीपर की पत्नी के पास से भाग गया (उत्पत्ति 39:12)।

जॉन ड्राइडन ने कहा, "फंदे में संघर्ष करने से बेहतर है कि चारे से दूर रहें।"

#5 भीड़ का अनुसरण न करें

एक सामान्य कारण कि मसीही आसानी से प्रलोभन में पड़ जाते हैं, यह तर्क है, "हर कोई इसे कर रहा है, इसलिए यह ठीक होना चाहिए।" वह शैतान का पसंदीदा "संयाति तर्क" है। यही कारण है कि पतरस ने यीशु का इन्कार किया। यीशु के साथ विश्वासघात करने से कुछ ही घंटे पहले, पतरस ने प्रतिज्ञा की, "यदि मुझे तेरे साथ मरना भी हो, तौभी, मैं तुझ से कभी न मुकरूंगा!" (मत्ती 26:35)। और जब पतरस ने अपने मित्रों से घिरे हुए यह कथन दिया, तो वह बहुत ईमानदार था। लेकिन जब यीशु को न्याय कक्ष में ले जाया गया, तो मसीह के साथ रहना लोकप्रिय नहीं रहा। पतरस एक कैम्प फायर के आसपास मसीह के उपहास करने वालों के साथ इकट्ठा हुआ, और वह जितना अधिक समय तक रहा, उसके लिए मसीह के शत्रुओं की तरह कार्य करना और बात करना उतना ही आसान हो गया।

भीड़ को अपने मान्यताओं को आंकने देने से हम भीड़ की तरह बन जाते हैं। और बाइबल कहती है कि भीड़ आमतौर पर गलत होती है। "सकेत फाटक से प्रवेश करो, क्योंकि चौड़ा है वह फाटक और सरल है वह मार्ग जो विनाश को पहुंचाता है; और बहुतेरे हैं जो उस से प्रवेश करते हैं" (मत्ती 7:13)। मसीहियों को अपने लिए सोचना

होगा। उन्हें साथियों के दबाव का विरोध करना चाहिए-उन्हें अलग होना चाहिए। अगर एक अरब लोग झूठ पर विश्वास करते हैं, तो यह अभी भी झूठ है।

अंत के समय में, दो बहुत ही धार्मिक समूह होंगे-एक पशु की छाप के साथ, दूसरा परमेश्वर की मुहर के साथ। पूर्व समूह बड़ा होगा। सिर्फ इसलिए कि लोगों का एक बड़ा समूह धार्मिक है, इसका मतलब यह नहीं है कि वह ईश्वर का समूह है। आम तौर पर, बाइबल के महान पुरुष और महिलाएं सही के लिए खड़े होते हैं जब बाकी सभी झुक रहे होते हैं।

भीड़ का अनुसरण न करने का यह एक और कारण भी ध्यान रखें क्योंकि भीड़ देख रही है। जबकि आप भीड़ का अनुसरण नहीं करना चाहते हैं, आपको ऐसा जीवन जीना चाहिए जिसे भीड़ देख सके। लोग अधिक प्रभावित होते हैं, और बहुत से लोग परिवर्तित हुए हैं, जब उन्होंने देखा है कि मसीही दबाव में अपने विश्वास को बनाए रखते हैं। एक कमजोर समझौता करने वाला कृत्य गवाही का जीवनकाल खराब कर सकता है।

#6 व्यस्त रहने की योजना बनाएं

सिनसिनाटी मोमबत्ती की दुकान में चेक-आउट रजिस्टर के पीछे लटका एक बड़ा संकेत है जहां यह लिखा हैः "इस संकेत के यहां होने और आपका इसके सामने खड़े होकर इसे पढ़ने का एक बहुत अच्छा कारण है। यह आपको व्यस्त रखने के लिए यहां है। हम महसूस करते हैं कि मदद करने के लिए किसी को खोजने की कोशिश

करते हुए, आपके लिए बिना कुछ किए खड़े रहना कितना कष्टप्रद हो सकता है। इसलिए, आपके पढ़ने के लिए हमारे पास यह चिन्ह है, और आशा करते हैं कि जब तक आप इसे पढ़ना समाप्त करेंगे, तब तक हमारे किसी विक्रेता ने आपको ढूंढ लिया होगा।"

फिर लिखा है, "कृपया देखें, यदि नहीं, तो कृपया इस चिन्ह को फिर से पढ़ें।"

अधिकांश लोग निष्क्रिय रहने से घृणा करते हैं क्योंकि परमेश्वर ने हमें गतिविधि के लिए बनाया है। आपने कहावत सुनी है, "आलस्य शैतान की कार्यशाला है।" यह सीधा बाइबल उद्धरण नहीं है, लेकिन यहेजकेल 16:49,50 इसके समरूप है, "देख, तेरी बहिन सदोम का अधर्म यह था, कि वह अपनी पुत्रियों सहित घमण्ड करती, पेट भर भरके खाती, और सुख चैन से रहती थीः और दीन दरिद्र को न संभालती थी। ... और यह देख कर मैं ने उन्हें दूर कर दिया।"

सदोम और अमोरा का पाप केवल विकृति और यौन अनैतिकता नहीं था। सदोम की तराई हरी-भरी वनस्पति और भोजन से भरपूर थी। उसके निवासियों के लिए जीवन आसान था। लूत वहाँ चला गया क्योंकि इसने उसे आराम का जीवन प्रदान किया। लेकिन जब किसी व्यक्ति के पास करने के लिए कुछ नहीं होता है, तो संभावना है कि शैतान शारीरिक हृदय को कुछ बुराई गढ़ने में मदद करेगा। "आलस्य सभी दोषों का जनक है।"

पाप मानव मन में शुरू होता है, जिसे मुख्य रूप से एक समय में एक ही चीज पर ध्यान केंद्रित करने के लिए डिजाइन किया गया है। यदि हम व्यस्त रहते हैं, विशेष रूप से कुछ अच्छा करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जैसे कि गवाही देना या गरीबों की मदद करना, तो

हमारे पास बुराई के बारे में सोचने का समय नहीं होता है। एलेन जी व्हाइट ने कहा, "बुराई से बचने की शक्ति कर्मठ सेवा के माध्यम से सर्वोत्तम रूप से प्राप्त होती है।" मुसीबत से बचने के तरीकों में से एक है यीशु की सेवा में कर्मठ रूप से शामिल होना। पतन के बाद, जब परमेश्वर ने आदम से कहा, "तू अपने माथे के पसीने की रोटी खाया करेगा," इसका उद्देश्य मनुष्य के लिए व्यस्त रहना और परेशानी से बाहर रहना एक आशीष था (उत्पत्ति 3:19)। लेकिन एक आलसी व्यक्ति उसे लुभाने के लिए शैतान को प्रलोभित करता है।

"इसलिये ध्यान से देखो, कि कैसी चाल चलते हो; निर्बुद्धियों की नाईं नहीं पर बुद्धिमानों की नाईं चलो। और अवसर को बहुमोल समझो, क्योंकि दिन बुरे हैं" (इफिसियों 5:15,16)। एक इतालवी नीतिवचन आगे कहता है, "जो परिश्रम करता है उसे एक ही शैतान प्रलोभित करता है; वह जो बेकार है, उसे एक हजार।"

#7 एक योजना रखें!

हम अक्सर पाप में ठोकर खा जाते हैं क्योंकि जब हम प्रलोभन को आते हुए देखते हैं, तो हम बस हेडलाइट्स में पकड़े गए हिरण की तरह इंतजार करते हैं, यह देखने के लिए कि आने पर क्या हो सकता है। लेकिन पहले से तैयार रहना बेहतर है। नीतिवचन 22:3 सलाह देता है, "चतुर मनुष्य विपत्ति को आते देख कर छिप जाता है परन्तु भोले लोग आगे बढ़ कर दण्ड भोगते हैं।" एक बुद्धिमान व्यक्ति संभावित परेशानी के लिए सड़क का सर्वेक्षण करता है। यदि वह लुटेरों का एक समूह देखता है, तो वह सोचता है,"मेरे लिए छिपना या मार्ग बदलना

बेहतर है क्योंकि मैं लुटना नहीं चाहता!" लेकिन मूर्ख कहता है, "वाह। मुझे लगता है कि सड़क के नीचे डाकू हैं। मैं जानने को उत्सुक हूं कि जब वे यहां आएंगे तो क्या होने वाला है।"

मसीही अक्सर प्रलोभन के साथ ऐसा करेंगे। हम कहते हैं, " मैं जानने को उत्सुक हूं कि अगर मैं इस कार्यक्रम को देखता हूं, इस पत्रिका को पढ़ता हूं, या यह पेय पदार्थ पीता हूं तो मुझे लुभाया जाएगा।" मुझे लगता है कि वह बेन फ्रैंकलिन था जिसने कहा था, "रोकथाम का एक औंस इलाज के एक पाउंड के लायक है।" और यीशु ने कहा, "यदि तेरी दाहिनी आंख तुझे ठोकर खिलाए, तो उसे निकालकर फेंक दे क्योंकि तेरे लिये यही भला है कि तेरे अंगों में से एक नष्ट हो जाए और तेरा सारा शरीर नरक में न डाला जाए" (मत्ती 5:29)। यदि आपके पास प्रलोभन का एक क्षेत्र है तो आप जानते हैं कि आपको नीचे खींच लिया जाएगा, वशीभूत होने से बचने के लिए रोकथाम के जो भी अग्रिम उपाय आप कर सकते हैं, चाहे कितना भी जोखिम भरे हो।

यदि आप धूम्रपान छोड़ने की कोशिश कर रहे हैं, तो धूम्रपान करने वाले दोस्तों या उन जगहों से बचें जहां आपको लुभाए जाने की अधिक संभावना है। कम से कम, बचने का एक रास्ता बनाओ। यदि आपका प्रलोभन जरूरत से ज्यादा खाना है, तो अपनी थाली में उचित मात्रा में भोजन रखने का अग्रिम निर्णय लें और जब यह समाप्त हो जाए तो खाना बंद करने की योजना बनाएं। लाखों लोग धीरे-धीरे पाप में जाते हैं क्योंकि वे आगे के बारे में नहीं सोचते हैं। यह मुझे अगले बिंदु पर बहुत अच्छी तरह से ले जाता है।

#8 खुद को जानिए

एलेक्स एक नया बेसबॉल बैट खरीदने के लिए जितने पैसे बचा सकता था उसे बचाने की कोशिश कर रहा था, लेकिन उसके पास एक वास्तविक संघर्ष था। एक रात जब उसने प्रार्थना की, तो उसने जोश से अनुरोध किया, "हे प्रभु, कृपया मुझे बेसबॉल के बल्ले के लिए मेरे पैसे बचाने में मदद करें। और, प्रभु, आइसक्रीम वाले को इस गली में मत आने दो!

एक स्पेनिश कहावत निर्देश देती है, ""यदि आपका सिर मक्खन का हो तो बेकर मत बनो।" जब कोई एल्कोहॉलिक्स एनोनिमस में शामिल होता है, तो उसे सबसे पहले यह मानना होता है कि वह शराबी है। यह प्रवेश एक जबरदस्त सफलता का प्रतीक हो सकता है, क्योंकि व्यक्ति अपनी कमजोरी को पहचानता है। इसी तरह, यह एक मसीही बनने में पहला कदम है, यह स्वीकार करना कि हम "पाप-ए-होलिक" हैं।

"यदि हम कहें कि हम ने पाप नहीं किया, तो उसे झूठा ठहराते हैं, और उसका वचन हम में नहीं है" (1 यूहन्ना 1:10)। "इसलिये जो समझता है, कि मैं स्थिर हूं, वह चौकस रहे; कि कहीं गिर न पड़े" (1 कुरिन्थियों 10:12)। बाइबल कहती है कि हमें अपनी ताकत पर भरोसा नहीं करना चाहिए। हमें बहुत सावधान रहना चाहिए जब हम यह सोचना शुरू करते हैं कि एक निश्चित प्रलोभन से निपटने में सक्षम होंगे और कहते हैं, "यह अब मुझे परेशान नहीं करेगा। मैं काफी सामर्थ्यवान हूं। मुझे जीत मिल गई है!" वह तब होता है जब हम विशेष रूप से गिरने की स्थिति में होते हैं। कुछ मसीहियों को उन क्षेत्रों

पर भी गर्व है जिन पर उन्होंने विजय प्राप्त की है, लेकिन वे केवल स्वयं को शैतान के लिए तैयार कर रहे हैं ताकि वह उन्हें नीचे गिरा दे। अपने विश्वासघात की रात में, यीशु ने पतरस को चेतावनी दीः"मैं तुझ से सच कहता हूं, कि आज ही इसी रात को मुर्गे के दो बार बांग देने से पहले, तू तीन बार मुझ से मुकर जाएगा" (मरकुस 14:30)। परन्तु पतरस ने और भी जोर देकर कहा, "यदि मुझे तेरे साथ मरना भी पड़े तौभी तेरा इन्कार कभी न करूंगा" (मरकुस 14:31)। यीशु पतरस को चेतावनी दे रहा था कि वह वास्तव में नहीं जानता था कि वह वास्तव में कितना कमजोर था।

यहां तक कि जब आप किसी और की कमजोरी को दूर करने में उसकी मदद कर रहे हैं, तो आपको न केवल उसके साथ प्रार्थना करने की जरूरत है, बल्कि यह जानने की भी जरूरत है कि आप वही गलती करने के खतरे में हैं। जब एक बचावकर्ता किसी व्यक्ति को बहते पानी से खींच रहा हो, तो उन्हें सावधान रहना होगा कि वह भी अंदर न खींच लिया जाए। इसलिए हमें अपनी कमजोरी को पहचानने के लिए हमेशा सतर्क रहना चाहिए। "हे भाइयों, यदि कोई मनुष्य किसी अपराध में पकड़ा भी जाए, तो तुम जो आत्मिक हो, नम्रता के साथ ऐसे को संभालो, और अपनी भी चौकसी रखो, कि तुम भी परीक्षा में न पड़ो" (गलातियों 6:1)।

प्रलोभन से सावधान रहें-जितना अधिक आप इसे देखते हैं, यह उतना ही अच्छा दिखता है!

#9 भलाई से बुराई को जीत लो

हम कभी-कभी समझौता करने के लिए खुद को खुला छोड़ देते हैं जब हम छोड़ी गई बुरी आदतों द्वारा छोड़े गए रिक्त स्थान को भरने में विफल होते हैं। मैं ऐसे लोगों को जानता हूं जिन्होंने एक व्यसन पर विजय प्राप्त की और केवल इसे दूसरे के साथ बदल दिया क्योंकि उन्हें रिक्ति को भरने के लिए सकारात्मक विकल्प नहीं मिला।

“जब अशुद्ध आत्मा मनुष्य में से निकल जाती है तो सूखी जगहों में विश्राम ढूंढ़ती फिरती है और जब नहीं पाती तो कहती है कि मैं अपने उसी घर में जहां से निकली थी लौट जाऊंगी। और आकर उसे झाड़ा-बुहारा और सजा-सजाया पाती है। तब वह आकर अपने से और बुरी सात आत्माओं को अपने साथ ले आती है, और वे उस में पैठकर वास करती हैं, और उस मनुष्य की पिछली दशा पहले से भी बुरी हो जाती है” (लूका 11:24-26)।

यदि आप खाने के विकार या खाने की लत से जूझ रहे हैं, तो आप बस खाना नहीं छोड़ सकते। रहस्य यह है कि आप “उत्तम वस्तुएं खाना” सीखें (यशायाह 55:2)। “बुराई से न हारो परन्तु भलाई से बुराई का जीत लो” (रोमियों 12:21)। अगर आपको दिन भर चॉकलेट चबाने की आदत है तो कुछ अंगूर या बादाम खरीदें। क्या तुमने उन सिगरेटों को भी फेंक दिया है? टूथपिक्स या कुछ सूरजमुखी के बीज (लेकिन चॉकलेट नहीं) का एक बॉक्स लाओ। यदि किसी ने आपका अपमान किया है या क्रूरता से आपका उपयोग किया है, तो प्रतिशोध बुराई से नहीं बल्कि दया से करें। “परन्तु यदि तेरा बैरी भूखा हो तो उसे खाना खिला; यदि प्यासा हो, तो उसे पानी पिला” (रोमियों 12:20)।

भलाई से बुराई का जीत लो। जब एक बाज पर किंगबर्ड द्वारा हमला किया जाता है, तो वह पलटवार हमला नहीं करता है, लेकिन जब तक पीड़ा देने वाले उसे अकेला नहीं छोड़ देते, तब तक वह लगातार बढ़ते हुए हलकों में ऊंची से ऊंची उड़ान भरता है।

#10 अपने स्वास्थ्य की देखभाल करें

प्रलोभन अक्सर हमारे सबसे सशक्त क्षणों में नहीं, बल्कि हमारे सबसे कमजोर क्षणों में आता है। जब हम अपनी ताकत, धैर्य, प्रेम और स्वास्थ्य की मर्यादा में होते हैं, तो हमें गैर-मसीही होने का प्रलोभन दिया जाता है। सावधान! 40 दिनों के उपवास के बाद यीशु का प्रलोभन शुरू हुआ। वह थका हुआ और भूखा था। जब पतरस ने यीशु को इन्कार किया, तो वह भी बहुत थक गया था।

बुनियादी प्रलोभनों का विरोध करने की हमारी क्षमता नियमित व्यायाम, या इसकी कमी से लेकर शरीर के हार्मोन तक हर चीज से बहुत प्रभावित हो सकती है। अक्सर जब हम बीमार होते हैं या जब हमारे भंडार समाप्त हो जाते हैं, तो हम नकारात्मक तरीके से प्रतिक्रिया करते हैं। अधिकांश वैवाहिक विवाद दिन के अंत में होते हैं जब एक या दोनों पति-पत्नी थके हुए और भूखे होते हैं। पर्याप्त नींद लें और नियमित समय पर अच्छा खाना खाएं। मेरे पसंदीदा लेखकों में से एक यह भी सलाह देता है, “विकृत भूख के भोग से, मनुष्य प्रलोभन का विरोध करने की अपनी शक्ति खो देता है।” अत्यधिक मिठाइयाँ आपको केवल एक अस्थायी हड़बड़ी दे सकती हैं जिसके बाद अवसाद और चिड़चिड़ेपन की भावनाएँ आ सकती हैं।

आप हमेशा थकान या भूख से बचने में सक्षम नहीं हो सकते हैं, लेकिन अगर कोई सैनिक सुरंग-क्षेत्र से गुजर रहा है, तो वह अधिक सावधान रहता है कि वह कहाँ कदम रखता है। इस अस्थिर समय के दौरान संवेदनशील चर्चा या दक्षतापूर्ण कार्यों से बचें। यीशु ने कहा, "आत्मा तो तैयार है, परन्तु शरीर निर्बल है" (मत्ती 26:41)। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हमें अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए अपनी सामर्थ्य में सब कुछ करने और इसके परिणामस्वरूप हमारे नैतिक संकल्प में सुधार करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। रात का अच्छा आराम, थोड़ा व्यायाम और पौष्टिक नाश्ता आपको ऐसा महसूस करा सकता है कि आप गोलियत का मुकाबला करने के लिए तैयार हैं।

#11 अपने निकास को पहचानो

विमान में चढ़ते समय, मैं आपातकालीन निकास स्थानों का मानसिक रूप से ध्यान रखता हूँ। मैं पागल नहीं हूँ, बस विवेकपूर्ण हूँ। मेरे लिए, प्रलोभन पर काबू पाने का सबसे अच्छा साधन यह स्वीकार करना है कि परमेश्वर ने हम में से प्रत्येक के लिए बचने का एक रास्ता प्रदान किया है। इस मार्ग को याद रखें: "तुम किसी ऐसी परीक्षा में नहीं पड़े, जो मनुष्य के सहने से बाहर है: और परमेश्वर सच्चा है: वह तुम्हें सामर्थ्य से बाहर परीक्षा में न पड़ने देगा, वरन परीक्षा के साथ निकास भी करेगा; कि तुम सह सको" (1 कुरिन्थियों 10:13)। अब यह कुछ बहुत अच्छी खबर है। हमें अपने अस्थिर विश्वास पर भरोसा नहीं करना है; हम परमेश्वर पर भरोसा कर सकते हैं क्योंकि वह विश्वासयोग्य है!

अब जब आप परीक्षा में पड़ते हैं, तो आप कह सकते हैं, "परमेश्वर माप रहा है कि वह शैतान को मेरे खिलाफ क्या लाने की अनुमति देता है, और मैं उसकी कृपा से इसे संभालने में सक्षम हूं।" आपको कभी यह नहीं कहना है, "मैं अब और शैतान का विरोध करना सहन नहीं कर सकता।" ऐसा कहकर, आप परमेश्वर को झूठा कह रहे होंगे!

मिस्रियों ने पीछे से इस्राएलियों का पीछा किया, और जब वे भाग रहे थे, तो उन्होंने यह भी पाया कि दोनों तरफ पहाड़ हैं और उनके सामने एक समुद्र है। यह एक बहुत ही निराशाजनक स्थिति की तरह लग रहा था। लेकिन परमेश्वर ने वादा किया था कि वह वफादार रहेगा, और उसने बचने का एक रास्ता प्रदान किया। बाइबल ऐसी कहानियों से भरी पड़ी है जो निराशाजनक लग रही थीं, लेकिन परमेश्वर विश्वासयोग्य था। और वह आपकी मदद करने के लिए प्रभावशाली बचाव प्रयासों का भी उपयोग करेगा। जब ऐसा लग रहा था कि यीशु के पीछे चलने वाली भीड़ को खिलाने के लिए कोई भोजन नहीं है, तो परमेश्वर अनुयायियों के लिए स्वर्ग से भी भोजन लाने के लिए वफादार था।

इसलिए हर बार जब आप सोचते हैं, "मुझे कोई रास्ता नहीं दिख रहा है," तो इन कहानियों को याद रखें और परमेश्वर पर भरोसा करने और उसके बचने के रास्ते को देखने का मन बना लें। अपने दरवाजे पर सबसे शैतानी प्रलोभन के साथ भी, कहो, "मैं परमेश्वर पर भरोसा करने जा रहा हूं। मैं सही काम करने जा रहा हूं।" परमेश्वर आपके लिए छुटकारा करेगा।

#12 गिरने से बचना

1944 में, फ्लाइट सार्जेंट अल्केमेड ने जर्मनी के ऊपर अपने धधकते बमवर्षक से छलांग लगाई और 18,000 फीट सिर के बल गिरा। वह बिना किसी खरोंच के बच गया क्योंकि उसका गिरना एक ढलान पर बर्फ से ढके देवदार के पेड़ों से रोक लिया गया था।

मैंने आखिरी के लिए वह बचा लिया है जिसे मैं प्रलोभन पर काबू पाने की सबसे महत्वपूर्ण कुंजी मानता हूं। आप पहले से ही जानते हैं कि यीशु आपको गिरने से बचा सकता है (यहूदा 1:24)। लेकिन अगर आप गिर भी जाएं, तो नीचे न रहें।

यदि आप मसीह में हैं, तो आपके पास गलत का विरोध करने की सबसे बड़ी शक्ति है। उसमें बने रहना, उसकी आत्मा में बने रहना है। गलातियों 5:16 कहता है, "पर मैं कहता हूं, आत्मा के अनुसार चलो, तो तुम शरीर की लालसा किसी रीति से पूरी न करोगे।" नूह, हनोक और अब्राहम परमेश्वर के साथ-साथ चले। और आप आज अपने घुटनों पर जाकर ताकत के लिए याचना करके भी ऐसा ही कर सकते हैं। परमेश्वर आपको पाप से बचाने के लिए स्वर्ग के हर स्वर्गदूत को भेजेगा, बजाय इसके कि एक विश्वासी को, जब उसकी मदद के लिए गिड़गिड़ा रह हो, गिरने दे। लेकिन हमें शैतान के झूठ के बजाय यीशु का अनुसरण करना चुनना चाहिए। परमेश्वर ने हमें स्वतंत्र नैतिक एजेंट बनाया है, और शैतान हमसे पाप नहीं करवा सकता।

परमेश्वर के अनुग्रह से, आप और मैं उसकी आत्मा के द्वारा हर प्रलोभन का विरोध कर सकते हैं। लेकिन याद रखें कि अगर आप गिर भी जाएं तो हार न मानें। बहुत से लोग जो गिर जाते हैं, नीचे

ही रह जाते हैं। वे कहते हैं, "अरे ठीक है। मैं अब खो गया हूँ; मैं हर दूसरे प्रलोभन के आगे आत्मसमर्पण भी कर सकता हूं।" परमेश्वर आपको खोए हुए क्षेत्र को पुनः प्राप्त करने में मदद कर सकता है, और वह आपको भविष्य के प्रलोभनों से बचाएगा। आपको तीन दिन दुःख और खोज में बिताने की आवश्यकता हो सकती है, यूसुफ और मरियम के जैसे, जब उन्होंने यीशु को खो दिया, परन्तु वह अपने पिता के घर में तुम्हारी प्रतीक्षा करेगा।

शैतान आप को अपनी दुष्ट फुसफुसाहट से यह कहते हुए निराश कर सकता है, "मैं तुम्हें जानता हूँ! मैंने तुम्हें बहकाया और तुमने यह किया! तुम बिल्कुल भी अच्छे नहीं हो। तुम अपने आप को मसीही कहते हो, लेकिन तुम सिर्फ एक पाखंडी हो। वास्तव में, तुम बचाए भी नहीं गए हो!" लेकिन मेरा मानना है कि मसीही जीवन प्रगतिशील है। बाइबल वादा करती है, "हे मेरे बालकों, मैं ये बातें तुम्हें इसलिये लिखता हूं, कि तुम पाप न करो; और यदि कोई पाप करे, तो पिता के पास हमारा एक सहायक है, अर्थात धार्मिक यीशु मसीह" (1 यूहन्ना 2:1)। यदि आप पाप करते हैं, और हम सब करते हैं, तो हार न मानें। यदि शैतान आपको धोखा देता है, और आप गिर जाते हैं, तो नीचे न रहें। अपनी पिछली विफलताओं को भविष्य के समझौते का बहाना न बनने दें। परमेश्वर आपको हर चीज पर काबू पाने में मदद कर सकता है। आप इसे एक समय पर एक दिन और एक कदम ले।

सारांश - एक में 12 कदम

इन सभी चरणों का सारांश निकालना वास्तव में बहुत आसान है। किसी भी प्रलोभन पर विजय पाने का सबसे उत्कृष्ट तरीका यह होना चाहिए कि आप परमेश्वर से प्रेम करते हैं। आप जानते हैं कि पाप परमेश्वर को चोट पहुँचाता है, और जब आप परीक्षा में पड़ते हैं तो आपको जोर से कहने की जरूरत होती है, “मैं ऐसा नहीं कर सकता क्योंकि मैं परमेश्वर से प्रेम करता हूँ।”

इरविन डब्ल्यू लुत्जर ने कहा, “प्रलोभन के प्रति हमारी प्रतिक्रिया परमेश्वर के लिए हमारे प्रेम का एक सटीक बैरोमीटर है।” जितना अधिक आप यीशु से प्रेम करते हैं, उतना ही कम शैतान के आकर्षण आप पर हावी होंगे। जब आप परीक्षा में पड़ते हैं तो क्रूस को याद करके याद रखें कि यीशु आपसे कितना प्रेम करता है, और फिर आपके सामने बुराई का प्रतिरोध करके उस प्रेम को वापस कर दें।

हम सभी परीक्षा में पड़ते हैं लेकिन प्रभु ने वादा किया है कि पवित्रशास्त्र में पाए जाने वाले “अत्यधिक महान और कीमती वादों” के माध्यम से हम विजयी हो सकते हैं। यीशु हमें सिखाएगा कि कैसे जीतना है। शैतान यीशु से पाप नहीं करवा सका, न ही वह हमसे करवा सकता है। परमेश्वर का बड़ा धन्यवाद करो, जो हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा हमें जयवन्त करता है (1 कुरिन्थियों 15:57)। उससे शक्ति पर विजय पाने के लिए उससे प्रार्थना करें, और खुशी-खुशी उसके वचन के पन्नों में गोता लगाएँ।

अधिक मुफ़्त डिजिटल पुस्तकें खोजें

AFTV.in/Free-Book-Library

हिन्दी, तमिल, तेलगु, कई भाषाओं में उपलब्ध है ...

Amazing Facts India
Post Box No. 51 • Banjara Hills,
Hyderabad, TS, 500034

www.AmazingFactsIndia.org